KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# कक्षा - 12

## समकालीन विश्व राजनीति

### अध्याय - 1

# दो ध्रुवीयता का अंत

### भाग - 3

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# विघटन के कारण

- गोर्बाचेव का शासन
  - दो सोच
    - कम्युनिस्ट पार्टी तथा सोवियत व्यवस्था से फायदे में रहने वाले लोग
      - गोर्बाचेव जल्दवाजी दिखा रहे हैं।
    - गोर्बाचेव की धीमी कार्यपद्धति
      - निराश जनता धीरज खो बैठी।
        - हर तरफ से समर्थन जाता रहा
          - लोगों का मोहभंग, धारणा—गोर्बचेव खुद ही अपनी नीतियों का बचाव नहीं कर पा रहे हैं।
        - 25 Dec 1991 सोवियत संघ का विघटन
  - अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयास
    - जनता की अपेक्षाओं आकांक्षाओं का ज्वार भाटा
      - काबू पाना असंभव
  - प्रशासनिक सांचे में ढील

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# विघटन के कारण

## तत्कालिक कारण

राष्ट्रवादी और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार

दो विचार

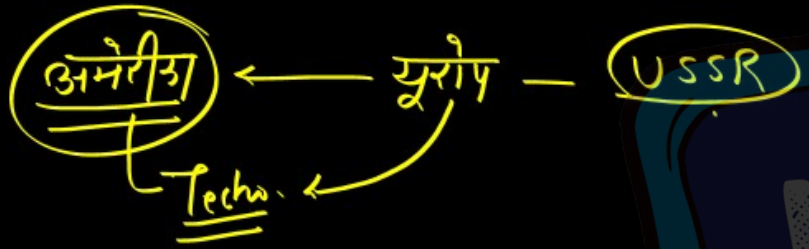
- सुधार ना होते तो भी अंदरूनी संघर्ष होना ही था
  - राष्ट्रीयता की भावना और तड़प सोवियत संघ के इतिहास में जारी थी
- गोर्बाचेव के सुधारों ने राष्ट्रवादियों के असंतोष को भड़काया
  - उन पर शासकों का नियंत्रण नहीं रहा

रूस, एस्टोनिया लताविया, लिथुआलिया, उक्रेन, जार्जिया जैसे गणराज्य

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

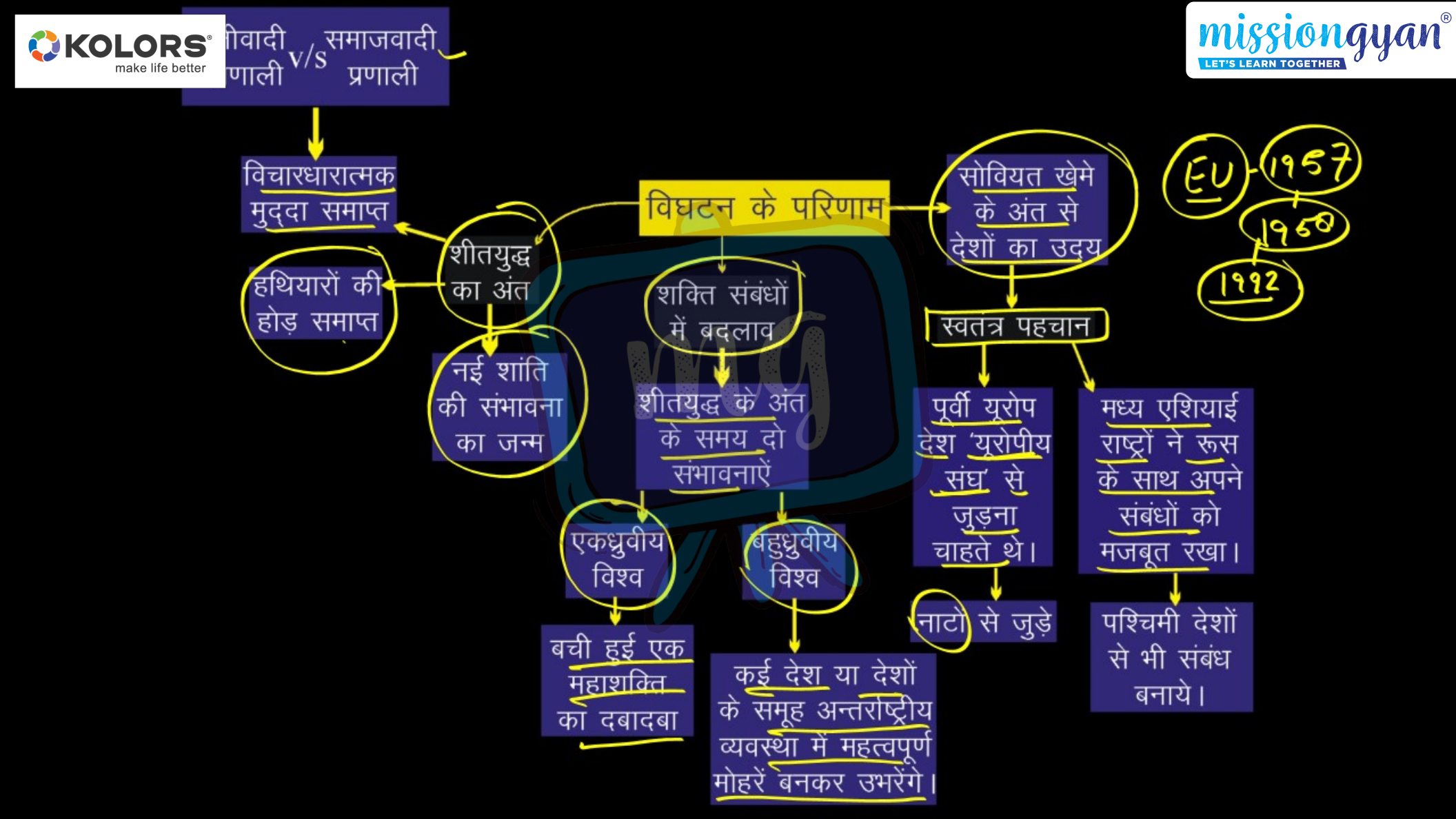
# चौकाने वाली घटना




**पूर्वानुमान :** सोवियत संघ के मध्य एशियाई गणराज्यों में राष्ट्रवादी आकांक्षाओं का उभार सबसे अधिक होगा।
क्योंकि : ये रूस से धार्मिक और नस्ली लिहाज से अलग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े हुए थे।
**लेकिन :** सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष यूरोपीय और अपेक्षाकृत समृद्ध गणराज्यों में सबसे प्रबल नजर आया।
**कारण :** यहां के आम लोग अपने आपको मध्य एशियाई लोगों से अलग थलग महसूस कर रहे थे। इनके मन में यह भाव घर कर गया कि ज्यादा पिछड़े इलाके सोवियत संघ में शामिल करने में उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

KOLORS make life better

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

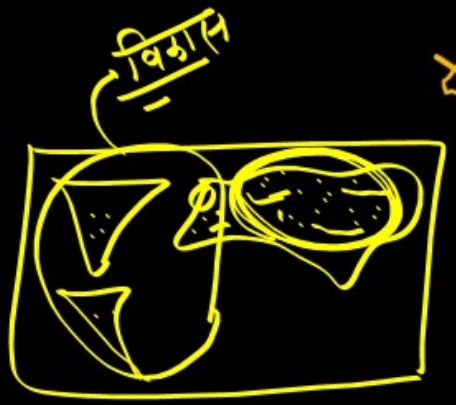


KOLORS
make life better

# शॉक थैरेपी

→ आघात पहुंचा कर उपचार करना।

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




- रूस मध्य एशिया के गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देशों में पूंजीवाद की ओर संक्रमण का एक खास मॉडल अपनाया। — आर्थिक सुधार
- विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित इस मॉडल को शॉक थैरेपी कहा गया।
- भूतपूर्व दूसरी दुनिया के देशों में शॉक थेरेपी की गति और गहनता अलग अलग रही लेकिन इसकी दिशा और चरित्र बड़ी सीमा तक एक जैसे थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# शॉक थैरेपी

- सर्वोपरी मान्यता
  - मिल्कियत का सबसे प्रभावी रूप निजी स्वामित्व होगा
- पूंजीवाद के अतिरिक्त कोई वैकल्पिक व्यवस्था मंजूर नहीं
- राज्य की सम्पदा का निजीकरण और व्यावसायिक स्वामित्व के ढांचे को तुरंत अपनाना
  - सामूहिक कार्य को निजी कार्य में बदला गया
    - पूंजीवादी पद्धति से खेती शुरू
- ज्यादा से ज्यादा व्यापार करके विकास
  - मुक्त विकास को अपनाया गया
- सोवियत खेमे के प्रत्येक देश को एक दूसरे को जोडने की जगह सीधे पश्चिमी मुल्कों से जोड़ा गया
  - इन देशों को पश्चिमी क्षेत्र में समाहित किया गया
- वित्तीय, खुलापन मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता महत्वपूर्ण



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# शॉक थैरेपी के परिणाम

आर्थिक परिणाम :-

- 'शॉक थैरेपी' से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस।
- रूस में पूरा का पूरा राज्य नियंत्रित ढांचा चरमरा उठा।
- आर्थिक ढांचे के पुनर्निर्माण का ये कार्य सरकार की बजाय बाजार की ताकतें कर रही थी, इसलिए यह कदम सभी उद्योगों को मटियामेट करने वाला साबित हुआ।
- रूसी मुद्रा रूबल में गिरावट।
- मुद्रास्फीति इतनी ज्यादा बढ़ी कि लोगों की जमापूंजी जाती रही।
- सामूहिक खेती की प्रणाली समाप्त लोगों के सामने अब खाद्यान्न संकट।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# शॉक थैरेपी के परिणाम

## सामाजिक परिणाम

- सरकारी रियायतों का खत्मा
  - ज्यादातर लोग गरीबी में
  - मध्यम वर्ग समाज के हाशिए पर
- अकादमिक–बौद्धिक कामों से जुड़े लोग या तो बिखर गए या बाहर चले गए
- माफिया वर्ग का उभार
  - अधिकतर आर्थिक गतिविधियों को अपने नियंत्रण में लिया
- निजीकरण से विषमताओं का जन्म
  - अमीर–गरीब लोगों के बीच तीखा विभाजन

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# शाक थेरपी के परिणाम

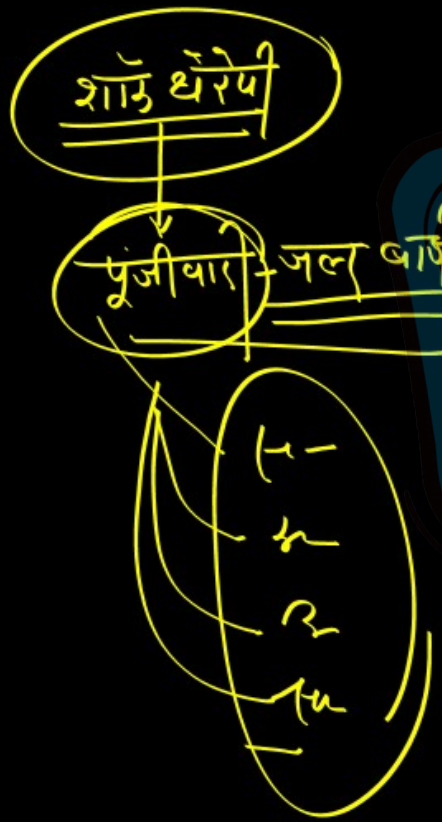
## राजनीतिक परिणाम

- लोकतांत्रिक संस्थाओं के निर्माण का कार्य प्राथमिकता के साथ ना हो सका
- अधिकतर देशों में न्यायिक संस्कृति और न्यायपालिका की स्वंत्रता स्थापित करने का काम अब भी बाकी
- हड़बड़ी में संविधान तैयार किये गये
  - अधिकांश देशों में राष्ट्रपति को कार्यपालिका प्रमुख बनाया गया
    - उसके हाथ में हर संभव शक्ति थमा दी
    - संसद कमजोर रह गयी
  - मध्य एशिया के देशों में राष्ट्रपति को बहुत अधिक शक्तियां प्राप्त
    - इनमें से कुछ सत्तावादी हो गये।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# संघर्ष और तनाव




## गृहयुद्ध और बगावत :-

- रूस के दो गणराज्यों चेचन्या और दागिस्तान में हिंसक अलगाववादी आंदोलन चले।
- मध्य एशिया में, तजिकिस्तान दस वर्षों तक (2002 तक) गृहयुद्ध की चपेट में रहा।
- अजरबैजान के एक प्रांत नगरनों कराबाख के कुछ स्थानीय अमेनियाई अलग होकर अर्मेनिया से मिलना चाहते थे।
- जार्जिया में दो प्रांत स्वतंत्रता चाहते हैं और गृहयुद्ध लड़ रहे हैं।
- यूक्रेन, किरगिस्तान तथा जार्जिया में मौजूदा शासन को उखाड़ फेंकने के लिए संघर्ष चल रहे हैं।